बिस्मिल्लाह-हिर-रहमानिर-रहीम

नेक बीबियाँ

इंजील : लुक़ास 1:26-56

बीबी एलिशिबा जब हामिला थीं तो शुरू के छः महीने के दौरान अल्लाह ताअला ने अपने फ़रिश्ते जिब्राईल(अ.स) को एक कुंवारी पाकदामन लड़की के पास भेजा जो नाज़रेथ शहर के गलील नाम की जगह पर रहती थी। उस लड़की की शादी जनाब यूसुफ़ नाम के एक आदमी से तय हुई थी जो दाऊद(अ.स) के ख़ानदान से थे। उस पाकदामन लड़की का नाम बीबी मरयम था।(26-27) फ़रिश्ता उनके पास आया और कहा, "मुबारक हो! अल्लाह ताअला ने आपको बरकत दी है और वो आप पर मेहरबान है।"(28) लेकिन बीबी मरयम ये बात सुन कर परेशान हो गईं और सोच में पड़ गईं, "इस बात का क्या मतलब है?"(29)

फ़रिश्ते ने उनसे कहा, "घबराइए नहीं। ये इसलिए है क्यूँकि अल्लाह रब्बुल अज़ीम आपसे बहुत ख़ुश है।(30) सुनिए! आप हामिला होंगी और एक लड़के को पैदा करेंगी। उस लड़के का नाम आप ईसा रखिएगा।(31) वो इतना ज़्यादा अज़ीम होगा कि लोग कहेंगे कि वो सबसे अज़ीम बादशाह का वारिस है। अल्लाह ताअला उसे उसी के बुज़ुर्ग, बादशाह दाऊद, की बादशाही अता करेगा।(32) वो हमेशा इब्रानियों पर हुकूमत करेगा और उसकी बादशाही कभी भी ख़त्म नहीं होगी।"(33)

बीबी मरयम ने फ़रिश्ते से कहा, "ये सब कैसे होगा? मैं तो एक कुंवारी लड़की हूँ।"(34) फ़रिश्ते ने बीबी मरयम से कहा, "अल्लाह रब्बुल आलमीन अपनी रूह और क़ुदरत से ये करेगा। इसलिए, ये बच्चा जब पैदा होगा तो लोग उसको आदम की तरह समझेंगे,[a] जिसको अल्लाह ताअला ने ख़ुद बनाया, और अल्लाह ताअला का पाक मसीहा कहलाएगा।(35) सुनिए! बीबी एलिशिबा, आपकी रिश्तेदार, जिसके बारे में लोग कहते थे कि वो बाँझ है, वो भी छः महीने से हामिला है।(36) अल्लाह रब्बुल आलमीन के लिए कुछ भी नामुमकिन नहीं!"(37) बीबी मरयम ने फ़रिश्ते से कहा, "मैं अल्लाह ताअला की ख़िदमत में हाज़िर हूँ। मैं दुआ करती हूँ कि ऐसा ही हो जैसा आप कह रहे हैं!" और फिर फ़रिश्ता वहाँ से चला गया।(38)

फिर बीबी मरयम जल्दी से तैयार होकर अपने कस्बे में गईं जो मुल्क यहूदिया में था।(39) वो ज़करिया(अ.स) के घर गईं और वहाँ जा कर बीबी एलिशिबा को मुबारकबाद पेश करी।(40) जब बीबी एलिशिबा ने बीबी मरयम की मुबारकबाद को सुना तो उनके पेट में जो बच्चा था वो उछला और बीबी एलिशिबा अल्लाह ताअला के नूर से रोशन हो गईं।(41) वो बहुत तेज़ आवाज़ में ख़ुश होकर बोलीं, "अल्लाह ताअला ने आपको सब औरतों से ज़्यादा बरकत दी है और वो बच्चा भी बरकत पाएगा जिसे आप पैदा करेंगी।(42) आप हमारे मसीहा की माँ हैं और मेरे पास यहाँ आई हैं! क्या मैं इतनी ख़ुशनसीब हूँ?(43) जब मैंने आपकी आवाज़ सुनी, तो पेट में मेरा बच्चा ख़ुशी से उछल पड़ा।(44) अल्लाह ताअला ने आपको बरकत दी है क्यूँकि आप ने उसके कलाम पर यक़ीन किया था।"(45)

ये बातें सुन कर बीबी मरयम ने कहा,

> "मेरी रूह अल्लाह ताअला की तारीफ़ करती है,(46)
> मेरे दिल को सुकून है क्यूँकि मेरा रब मेरा मददगार है।(47)
>
> "मैं अल्लाह ताअला की नाचीज़ बंदी हूँ, लेकिन फिर भी वो मेरी हिमायत करता है।
> और अब, सारी नस्लें मुझे मुबारक कहेंगी,(48)
> क्यूँकि अल्लाह रब्बुल अज़ीम ने मेरे लिए बड़ा काम किया है।
> उसका नाम पाक है।(49)
>
> "अल्लाह रब्बुल करीम हमेशा रहम करता है,
> उन लोगों पर जो उस पर यक़ीन रखते हैं,
> उनकी औलादों पर और उनकी आने वाली नस्लों पर।(50)
>
> "अल्लाह ताअला की क़ुदरत ने बड़े-बड़े काम किए हैं।
> उसने उन लोगों को भटका दिया
> जो ख़ुद पर ग़ुरूर करते थे और अपने बारे में बड़ी-बड़ी बातें करते थे।(51)
>
> "अल्लाह ताअला ने ज़ालिम बादशाहों को उनके तख़्त से उतार फेंका,
> और रहमदिल लोगों को बादशाह बना दिया।(52)
>
> "अल्लाह रब्बुल करीम भूखों को नेमतें देने वाला है
> और वो अमीरों को ख़ाली हाथ लौटा देता है।(53)
>
> "इब्रानियों में से जिसने अल्लाह ताअला की ख़िदमत करी, वो उसी की मदद करता है।
> वो करम करना कभी नहीं भूलता।(54)
>
> "उसने हमेशा इब्राहीम(अ.स) पर और उनकी औलादों पर करम करा,
> जैसा कि उसने उनके बुज़ुर्गों से वादा किया था।"(55)

बीबी मरयम बीबी एलिशिबा के पास तीन महीने रहीं और फिर अपने घर वापस लौट आईं।(56)

---

[a] क़ुरान मजीद : अले-इमरान 3:59